

मोबाइल वॉलेट्स के बीच इंटरऑपरेबिलिटी

चर्चा में क्यों

हाल ही में भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने वभिन्न मोबाइल वॉलेट्स के बीच भुगतान की सुविधा के लिये दशिया-नरिदेश जारी किये, जिसका उद्देश्य डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना है।

महत्त्वपूर्ण बटु

- सरकार ने लोगों को डिजिटल लेन-देन की तरफ आकर्षित करने के लिये वभिन्न कदम उठाए हैं। मोबाइल वॉलेट की बढ़ती उपयोगिता सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
- अब तक किसी भी वॉलेट का संचालन एक सीमति दायरे के भीतर कयिा जाता रहा है यानी दो अलग-अलग वॉलेट्स एक दूसरे से नहीं जुड़ सकते हैं। उदाहरण के लिये, पे-टीएम और मोबकिवकि उपयोगकर्त्ता आपस में लेन-देन नहीं कर सकते हैं।
- 2017 में पेश कयिे गए रोड-मैप के अनुसार, KYC युक्त सभी प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (PPI) की इंटरऑपरेबिलिटी तीन चरणों में संपन्न होगी। जो इस प्रकार हैं-
- एकीकृत भुगतान प्रणाली (UPI) के द्वारा वॉलेट के रूप में जारी कयिे गए प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (PPI) की इंटरऑपरेबिलिटी।
- UPI के द्वारा वॉलेट और बैंक खातों की इंटरऑपरेबिलिटी।
- कार्ड नेटवर्क के द्वारा कार्ड के रूप में जारी कयिे गए PPI की इंटरऑपरेबिलिटी।
- भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने इंटरऑपरेबिलिटी के बेहतर कार्यान्वयन हेतु सभी चरणों को सक्षम बनाने के लिये समेकति दशिया-नरिदेश जारी कयिे थे।

इंटरऑपरेबिलिटी

- इंटरऑपरेबिलिटी एक तकनीकी अनुकूलता है जो एक भुगतान प्रणाली को किसी दूसरी भुगतान प्रणाली से जुड़ने में सक्षम बनाता है।

नहितार्थ

- अब इंटरऑपरेबिलिटी प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (PPI) जैसे कपिे-टीएम, फ्रीचार्ज, मोबकिवकि, फोन-पे और पेजैप आदि लोकप्रयि भुगतान वॉलेट के उपयोगकर्त्ताओं को एक वॉलेट से दूसरे में पैसे स्थानांतरति करने में सक्षम बना देगा।
- इसके अलावा, वॉलेट एकीकृत भुगतान प्रणाली (UPI) के द्वारा इंटरऑपरेबिलिटी को कार्यान्वति कर सकते हैं।
- आरबीआई ने प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (PPI) को मास्टरकार्ड, वीजा या रुपे जैसे अधिकृत कार्ड नेटवर्क का उपयोग करते हुए कार्ड जारी करने की भी अनुमति दी है।
- इंटरऑपरेबिलिटी का सबसे बड़ा लाभ वॉलेट उपयोगकर्त्ताओं को होगा क्योंकि अब किसी एक वॉलेट का उपयोग करते हुए दूसरे वॉलेट उपयोगकर्त्ता के साथ सफलतापूर्वक लेन-देन कयिा जा सकेगा।
- ई-वॉलेट की बढ़ती हसिसेदारी को देखते हुए दशिया-नरिदेश में उपयोगकर्त्ताओं की सुरक्षा और भुगतान में सटीकता भी सुनिश्चति की जाएगी।

एकीकृत भुगतान प्रणाली (UPI) क्या है?

- यह एक ऐसी प्रणाली है जो एक मोबाल एप्लीकेशन के माध्यम से कई बैंक खातों का संचालन, वभिन्न बैंकों की वशिषताओं का समायोजन, नधियिों का नरिबाध आवागमन और एक ही स्थान पर वयापरयिों को भुगतान की सुविधा उपलब्ध करा सकती है।
- यह "पीयर टू पीयर" अनुरोध को भी पूरा करती है जिसे आवश्यकता और सुविधा के अनुसार नरिधारति कर भुगतान कयिा जा सकता है।
- उल्लेखनीय है कि UPI का पहला संस्करण अप्रैल 2016 में लॉन्च कयिा गया था।

